

श्याम ना जगे जगाए से

सोए गए कुंभकरण की नींद,
श्याम ना जगे जगाए से,
श्याम ना जगे जगाए से,
सोए गए कुंभकरण की नींद,
श्याम ना जगे जगाए से॥

श्याम को मीरा टेर रही रे,
बाट प्याले में देख रही रे,
तुमने कहां लगा दी देर,
अमृत बने ना बनाए से,
सोए गए कुंभकरण की नींद,
श्याम ना जगे जगाए से॥

श्याम को नरसी टेर रहे रे,
डाल दिए जूनागढ़ डेरा रे,
तुमने कहां लगा दी देर,
बात ना भरे भराए से,
सोए गए कुंभकरण की नींद,
श्याम ना जगे जगाए से॥

श्याम को हरिचंद टेर रहे रे,
बात पनघट पर देख रहे रे,
तुमने कहा लगा दी देर,
घड़ा ना उठे उठाये से,
सोए गए कुंभकरण की नींद,
श्याम ना जगे जगाए से॥

श्याम को मोरध्वज टेर रहे रे,
बाट आरे में देख रहे रे,
तुमने कहां लग दई देर,
लाल ना बचे बचाए से,
सोए गए कुंभकरण की नींद,
श्याम ना जगे जगाए से॥

<https://bhajanganga.com/bhajan/lyrics/id/24832/title/shyam-na-jage-jagaye-se>

अपने Android मोबाइल पर [BhajanGanga](#) App डाउनलोड करें और भजनों का आनंद ले |